

रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में उपराष्ट्रपति ने आईआईएम के छात्रों को सुशासन का पाठ पढ़ाया

मुद्दों को समझने वाला ही लीडर : वेंकैया

व्याख्यान

रांची | प्रमुख संवाददाता

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा कि लीडर का मतलब राजनीतिज्ञ नहीं है, बल्कि जिसमें चरित्र, साहस और अपने देश-समाज के मुद्दों की समझ है, वही सही अर्थों में लीडर है। उपराष्ट्रपति ने रविवार को प्रबंधन के छात्रों को सुशासन का पाठ पढ़ाया।

आईआईएम की ओर से रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर पॉलिसी एंड गवर्नेंस के तहत आयोजित व्याख्यान में उपराष्ट्रपति ने भारतीय संदर्भ में नेतृत्व और सुशासन विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कौटिल्य से लेकर मौजूदा मोदी सरकार तक, विभिन्न उदाहरणों के साथ सुशासन को समझाया। उन्होंने कहा कि प्रबंधन के छात्रों के लिए जरूरी है कि वे सुशासन को समझें। नेतृत्व का चयन उसकी क्षमता, चरित्र और समझदारी पर होना चाहिए, धन और जाति पर नहीं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि सुशासन संविधान और कानून के अनुपालन से चलता है। पारदर्शिता, प्रभावी नेतृत्व, मुद्दों की स्पष्टता और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का कौशल, सुशासन के अनिवार्य तत्व हैं। इसके लिए दूरदर्शी शासन और प्रतिबद्ध नौकरशाह जरूरी हैं। हम वैश्वीकरण और निजीकरण के जमाने में हैं। ऐसे में इस दौर की चुनौतियों से निपटना है, तो स्किलिंग (कोशल) और स्कूलिंग (शिक्षा), दोनों साथ-साथ चलने चाहिए। साथ ही, हर नागरिक को यह महसूस होना चाहिए कि वह भी शासन में भागीदार है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि स्थानीय जरूरतों के साथ वैश्विक स्तर पर बदलाव आज की जरूरत है।

रिफॉर्म अस्थायी दर्द देता है :



आर्यभट्ट सभागार में रविवार को आईआईएम के कार्यक्रम को संबोधित करते उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू। • हिन्दुस्तान

उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र का मतलब लोगों की भागीदारी है। बैलट (मत) बुलेट से ज्यादा शक्तिशाली है। उन्होंने मोदी सरकार के फिटनेस इंडिया, बेंटी बचाओ, पढ़ाओ, स्किल इंडिया कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि ये असल में जनांदोलन हैं। प्रधानमंत्री ने रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म का मंत्र दिया है। उन्होंने कहा कि शासन में सुधार के लिए बदलाव लाया जा सकता है। यह सुधार अस्थायी दर्द देता, पर इससे स्थायी लाभ मिलता है। सुधार स्थानीय संदर्भ में हो, यह सुशासन की शर्त है। देश की एकता और अखंडता से समझौता नहीं होना चाहिए। किसी मुद्दे पर वाद-विवाद कीजिए, सुझाव दीजिए, फिर निर्णय लीजिए। लेकिन, बाधा मत डालिए।

मौके पर विद्यार्थियों ने सुशासन से जुड़े सवाल भी पूछे, जिनके जवाब उपराष्ट्रपति ने दिए। कार्यक्रम में राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू, आईआईएम के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह समेत अन्य मौजूद थे।

छात्रों को रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म का मंत्र दिया

वाद-विवाद कीजिए, सुझाव दीजिए, फिर निर्णय लीजिए



उप राष्ट्रपति के व्याख्यान को सुनते आईआईएम के छात्र-छात्राएं। • हिन्दुस्तान

उपराष्ट्रपति से मिले सांसद पोद्दार और सेट

सांसद संजय सेट और महेश पोद्दार ने रविवार को राजभवन में उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू से मुलाकात की। इस मौके पर राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू भी मौजूद थीं। मुलाकात के बाद दोनों सांसद ने कहा कि उपराष्ट्रपति का झारखंड से गहरा लगाव है। उनसे शिष्टाचार मुलाकात के लिए गया था।

वाजपेयी और राजीव गांधी को याद किया

उपराष्ट्रपति ने अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि वह शिखर पुरुष थे। उनके साथ काम करने और उनके नजदीक रह कर सीखने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि छोटा था तो वाजपेयी के कार्यक्रम के लिए तांगे पर प्रचार करता था। लोगों से अपील करता था कि आप उनका भाषण सुनने जरूर आएंगे। बाद में उसी पार्टी का अध्यक्ष बना और अब उपराष्ट्रपति के रूप में आपके सामने हूँ। अटल बिहारी वाजपेयी ने 23 राजनीतिक पार्टियों को एक साथ लाया। उनके शासनकाल में भारत में परमाणु परीक्षण हुआ। उन्होंने देश में कनेक्टिविटी बढ़ाई। ग्रामीण भारत की तस्वीर भी उन्होंने ही बदली। वहीं, उपराष्ट्रपति ने राजीव गांधी के उस वक्तव्य का जिक्र किया कि केंद्र से चले सौ रुपए आम आदमी तक पहुंचते-पहुंचते एक रुपया हो जाता है। उन्होंने कहा कि आज भारत तेजी से बढ़ती आर्थिक शक्ति है। अंतरराष्ट्रीय बाजार भारत में निवेश करना चाहता है। आईटी सेक्टर में भारत आश्चर्यजनक रूप से अच्छा कर रहा है। वर्ल्ड बैंक भी भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति मान रहा है।

पौष्टिक खानपान के लिए प्रेरित किया

उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को पौष्टिक खानपान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छात्र ये न समझें कि उपराष्ट्रपति हमें सुशासन पर व्याख्यान देने आए हैं या खानपान की आदतें सुधारने। उन्होंने कहा कि पिज्जा, बर्गर, मंचूरियन की बजाय पोषक तत्व ग्रहण करें। वेज, नॉनवेज कुछ भी खाएं, लेकिन पौष्टिक खाएं। उन्होंने फिटनेस और योग को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी।